

[illegible]

भारतीय तकनीकी शिक्षण परिषद ने ऐसे आचार्यों के प्रशिक्षण हेतु मुद्रा पक्षता कार्यक्रम का प्रारम्भ किया है। जिनके ऐसे आचार्यों को जिन्होंने शिक्षण में किसी प्रकार की समझने को रीति, इनके पुराने ज्ञान सखीय प्रशिक्षण दिया जाय। आचार्यों को शिक्षाईय भाषित में अपने ज्ञान, समझ, निष्पत्ति में विश्वस्त रूप होना। आचार्यों का दृष्टिकोण न केवल ही होना चाहिए और होना है। सूर्य अपनी किरणों में शिक्षा प्रकाश सभी को समान रूप और किसी भेदभाव के बिना प्रकाश आचार्यों की विचार प्रवृत्तियों के अपने सभी शिक्षाईय ज्ञान सखीय शिक्षण प्रदान करे।

उन्के सबीजी विकास के लिए सर्वेक्षण प्रालयन रचना करीए।

प्र. कुहाड़ा कहतै कि अनियमित प्रेरण कार्यक्रमों का मुख्य उद्देश्य किसानों को शिक्षण वित्तित दृष्टिकोण आनाने, आई सी टी, एकीकृत अधिगम और शिक्षा और शिक्षा अधिगम के न्यू शीक दृष्टिकोण, उच्चतर शिक्षा के आकलन, उपकरणों के प्रति संवेदनशील बनाना एवं प्रेरित करना है। प्रेरण कार्यक्रम में शिक्षण और शोध की वाक्यांशनी ताल आई सी टी, के उपयोग, पाठ्यक्रम संरचना और डिजाइन, स्थानीय संवेदनशील और समाजिक विविधता, व्यावसायिक आधार नीति, स्वयंम व्यकरण और संस्था बनना और व्यवसाय क्षेत्र में विकास को सम्मिलित करना और शामिल है।

कुलपति प्रो. आर.जी. कुहड़ ने कहा कि ताली एक हाथ से नहीं धाड़ें जा सकती। अकेले आचार्य विद्यार्थियों के झगड़, कोशिश और उनकी बुद्धि ने अभिवृद्धि नहीं कर सकती। इसके लिए विद्यार्थी की समर्पित भाव से अपने आचार्य द्वारा दी गई शिक्षा को खण्डन करना होगा। यह श्रद्धा शीतला ही विद्यार्थी को उत्कृष्टता का विद्यार्थी और विषय प्रेरण का समकक्ष है। विद्यार्थी अपने आचार्य का सम्मान करें, उनकी बात को सीधेतर करें, इसके लिए अभिभावकों को भी अपने अभिप्रेमारी से परीक्षित होना पड़ेगा। जी

अभिभावक स्वयं आचार्यों का सम्मान नहीं करते, उनके बारे में अशुद्ध धारणा नहीं रखते, उन पर नारी के कथों की उल्लेख मार्ग का अनुसरण करते हैं। यही छात्र आए दिन प्रशिक्षण में क्या उपलब्ध करते हैं, जो कि न तो छात्र हित में है और न ही समाज हित में। प्रो. कुलकर्णी ने अभिभावक को यह विनम्रता भी की कि वह कम से कम अपने स्वयं के सामने आचार्यों के प्रति सम्मान का भाव प्रदर्शित करें, ताकि विद्यार्थियों में भी अपने आचार्यों के प्रति यह भाव बन सके, जो उन्हें एक अच्छे विद्यार्थी बनने के लिए उचित

उत्पत्तिके प्रति संवेदनशील बनाना एवं प्रेरित करना है। प्रेरण कार्यक्रम में शिक्षण और शोध को कायमपणी को आसुरीयों के उपयोग, पाठ्यक्रम संरचना और डिजाइन, लैंगिक संवेदोपकरण और सामाजिक लक्षितता, व्यक्तिगत आचार नीति, व्यक्तिगत व्यवहारों को सहा करने और उनके अध्ययन क्षेत्र में विकास को सम्मिलित करना आदि शामिल है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के गुरु-दत्ता जैसे कार्यक्रम उच्च शिक्षा को नवीयता को मजबूत करेंगे। कुलपति, प्रो. आर. सी. कुहल ने कहा कि ताली एक हथियार है नहीं बजबयी जा सकती। अनेकते आचार्य विद्यापीठों के ज्ञान, कोशल और उनकी बुद्धि में अधिबुद्धि नहीं कर सकते। इसके लिए विद्यापीठ को समर्पित भाव से अपने आचार्य द्वारा दो मह शिखा को प्रहण करना होगा। यह प्रहण शीलता ही विद्यापीठ को उच्च कक्षा को विद्यापीठ और विषय प्रवीण बना सकती है। विद्यापीठ अपने आचार्यों को सम्मान करें, उनकी बात को स्वीकार करें, इसके लिए अधिभ्यासकों को भी अपने जिम्मेदारी से परिचित होना चाहिए।



महेंद्रगढ़। हकेवि में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन विषय पर केंद्रित एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार को संबोधित करते विशेषज्ञ।
फोटो: हरिभूमि

हकेवि में शिक्षा नीति के क्रियान्वयन वेबिनार

- एआईसीटीई के सहयोग से हुआ एक दिवसीय वेबिनार आयोजित

हरिभूमि न्यूज ►► महेंद्रगढ़

स्वतंत्र भारत की आवश्यकताओं व अपेक्षाओं को पूर्ण करने के उद्देश्य से तैयार नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के सफलतम क्रियान्वयन को ध्यान में रखते हुए हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद एआईसीटीई नई दिल्ली के सहयोग से गुरुवार को एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया।

क्रियान्वयन विषय पर केंद्रीत इस एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार को अकिल बूसराई कंसल्टिंग गुरुग्राम के सीईओ डा. अकिल बूसराई, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नीकल टीचर्स ट्रेनिंग एंड रिसर्च एनआईटीटीटीआर चंडीगढ़ के निदेशक प्रो. एसएस पटनायक, एनआईटी कुरुक्षेत्र के अधिष्ठाता प्रो. सथांश और मालवीय नेशनल

इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी जयपुर के पूर्व डीन प्रो. दिलीप शर्मा ने संबोधित किया। डा. अकिल बूसराई ने अपने संबोधन में इंडस्ट्री व शिक्षण संस्थानों के बीच आपसी तालमेल पर जोर दिया और बताया कि किस तरह से नई शिक्षा नीति में इस दिशा में सकात्मक बदलावों को लागू किया जा रहा है। इस दिशा में आवश्यक व्यावहारिक पक्षों पर भी विस्तार से चर्चा की और स्पष्ट किया कि कौशल विकास के माध्यम से किस तरह से हम शिक्षा व इंडस्ट्री की आवश्यकताओं के अनुरूप मानव संसाधन को तैयार कर सकते हैं। इसी तरह प्रो. एसएस पटनायक डिजिटल लर्निंग के पक्ष पर प्रकाश डाला और नई शिक्षा नीति के अंतर्गत किस तरह से इस आधुनिक अध्ययन तकनीक का शिक्षक उपयोग कर उल्लेखनीय परिणामों को प्राप्त कर सकते हैं। प्रो. सथांश ने अपने संबोधन में स्किल एजुकेशनरू इनसाइट फोरम एनईपी विषय पर विचार व्यक्त किए।

हकेवि में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन केन्द्रित वेबिनार आयोजित

-विशेषज्ञों ने शिक्षा नीति के व्यावहारिक पक्षों से कराया अवगत

रणघोष अपडेट » महेंद्रगढ़

स्वतंत्र भारत की आवश्यकताओं व अपेक्षाओं को पूर्ण करने के उद्देश्य से तैयार नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति -2020 के सफलतम क्रियान्वयन को ध्यान में रखते हुए हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् (एआईसीटीई), नई दिल्ली के सहयोग से गुरुवार को एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. आर.सी.कुहाड़ ने संदेश के माध्यम से इस वेबिनार को राष्ट्रीय शिक्षा नीति के सफलतम क्रियान्वयन में उपयोगी करार देते हुए कहा कि अवश्य ही इस आयोजन के माध्यम से विद्यार्थियों, शिक्षकों व शोधार्थियों को नई शिक्षा नीति के उन महत्वपूर्ण पक्षों को जानने समझने का अवसर प्राप्त हुआ होगा जिनके माध्यम से भारत एक बार फिर से अपनी वहीं पुरातन विश्व गुरु की पहचान को प्राप्त करने की दिशा में अग्रसर होगा। विश्वविद्यालय के कुलपति अपने संदेश में यह भी बताया कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय देश का पहला ऐसा विश्वविद्यालय है जिसने सर्वप्रथम नई शिक्षा नीति को लागू करने की कार्य योजना बनायी है और शैक्षणिक परिषद ने इसे बीती 23 अप्रैल, 2021 को संपन्न हुई बैठक में इसको सर्वसम्मति से स्वीकारोक्ति दे दी है। कुलपति का कहना है कि नई शिक्षा नीति के लागू होने से शिक्षा, शिक्षक केंद्रित न होकर विद्यार्थी केंद्रित होगी। शिक्षा में रटने के बजाय, अवधारणात्मक समझ पर जोर दिया जाएगा। विद्यार्थी को विषय वस्तु उसके



स्वरूप प्राचीन भारत में नालंदा, तक्षशिला के समय में देखने को मिलता था जिसे हम अवश्य ही पुनः प्राप्त करेंगे। विश्वविद्यालय स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के प्रयासों से राष्ट्रीय शिक्षा नीति का क्रियान्वयन विषय पर केंद्रित इस एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार को अकिल बुरस्राई कंसल्टिंग, गुरुग्राम के सोईओ डॉ. अकिल बुरस्राई, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नीकल टीचर्स ट्रेनिंग एंड रिसर्च (एनआईटीटीआर), चंडीगढ़ के निदेशक प्रो.एसएस पटनायक, एनआईटी, कुरुक्षेत्र के अधिष्ठाता प्रोफेसर सथांश और मालवीय नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी जयपुर के पूर्व डीन, प्रो दिलीप शर्मा ने संबोधित किया। डॉ. अकिल बुरस्राई ने अपने संबोधन में इंडस्ट्री व शिक्षण संस्थानों के बीच आपसी तालमेल पर जोर दिया और बताया कि किस तरह से नई शिक्षा नीति में इस दिशा में सकात्मक बदलावों को लागू किया जा रहा है। उन्होंने अपने संबोधन में इस दिशा में आवश्यक व्यावहारिक पक्षों पर भी विस्तार से चर्चा की और स्पष्ट किया कि कौशल विकास के माध्यम से किस तरह से हम शिक्षा व इंडस्ट्री की आवश्यकताओं के अनुरूप मानव संसाधन को तैयार कर सकते हैं। इसी तरह प्रो.एसएस पटनायक डिजिटल लर्निंग के पक्ष पर प्रकाश डाला और कि

उल्लेखनीय परिणामों को प्राप्त कर सकते हैं। प्रो. सथांश ने अपने संबोधन में स्किल एजुकेशन: इनसाइट फोरम एनईपी विषय पर विचार व्यक्त किए। उन्होंने विद्यार्थियों के कौशल विकास से संबंधित पक्ष पर प्रकाश डाला और इसे विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के उपयोगी बताया। कार्यक्रम की शुरुआत विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई। इसके पश्चात अधिष्ठाता, स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी व वेबिनार के कनविनर डॉ. अजय बसल ने स्वागत भाषण प्रस्तुत करते हुए नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के विभिन्न उल्लेखनीय पक्षों पर प्रकाश डाला। विश्वविद्यालय के शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. संजीव कुमार ने भी नई शिक्षा नीति में विद्यार्थियों के समग्र सर्वांगीण विकास से संबंधित पक्षों को प्रतिभागियों के समक्ष प्रस्तुत किया और बताया कि किस तरह से यह नीति अपनी ही भाषा में अध्ययन, अनुसंधान के साथ-साथ कौशल विकास का मार्ग प्रशस्त करती है। एक दिवसीय इस राष्ट्रीय वेबिनार का संचालन आयोजन सचिव डॉ. पंकी अरोड़ा ने किया जबकि इस आयोजन में स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी की डॉ. कल्पना चौहान व सुश्री प्रीति ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आयोजन में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों विभागाध्यक्ष

उच्च शिक्षा की बुनियाद को मजबूत करेंगे गुरुदक्षता जैसे कार्यक्रम : प्रो. आरसी कुहाड़

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग और भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद उच्च शिक्षा में गुणवत्ता को बनाए रखने के लिए न केवल विद्यार्थियों के लिए छात्र प्रेरण कार्यक्रम का शुभारंभ किया बल्कि शिक्षकों के लिए गुरु दक्षता कार्यक्रम भी प्रारंभ किया।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ का कहना है कि जब भी शिक्षण और प्रशिक्षण की बात आती है, तो उसके लिए जो माध्यम सबसे ज्यादा आवश्यक हैं, वह हैं शिक्षण संस्थान और वहां प्रशिक्षण और शिक्षण देने वाले आचार्य। उच्च शिक्षण संस्थानों में आचार्यों का चयन परास्नातक और राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण अभ्यर्थियों का साक्षात्कार के पश्चात किया जाता है। यहां पर यह तथ्य स्पष्ट करने का तात्पर्य यह है कि उच्च शिक्षण संस्थानों में कार्यरत आचार्यों की शिक्षा और उपाधि वही होती है जिसको विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने तय किया है।

प्रो.कुहाड़ कहते हैं कि गुरु दक्षता

विद्यार्थियों के लिए छात्र प्रेरणा कार्यक्रम का शुभारंभ किया

कार्यक्रम के माध्यम से आचार्यों को उनकी योग्यता, अभिरुचि और विषय के अनुसार प्रशिक्षित किया जाता है। प्रशिक्षित किए गए आचार्य अपने शिक्षार्थियों को समुचित ज्ञान प्रदान करेंगे ऐसा विश्वास किया जाना चाहिए।

अनिवार्य प्रेरण कार्यक्रमों का मुख्य उद्देश्य शिक्षक को शिक्षार्थी केंद्रित दृष्टिकोण अपनाने, आईसीटी एकीकृत अधिगम और शिक्षा और शिक्षण अधिगम के नए शैक्षिक दृष्टिकोण, उच्चतर शिक्षा के आकलन, उपकरणों के प्रति संवेदनशील बनाना एवं प्रेरित करना है। प्रेरण कार्यक्रम में शिक्षण और शोध की कार्यप्रणाली या आईसीटी के उपयोग, पाठ्यक्रम संरचना और डिजाइन, लैंगिक संवेदीकरण और सामाजिक विविधता, व्यवसायिक आचार नीति, सर्वोत्तम व्यवहारों को साझा करना और उनके अध्ययन क्षेत्र में विकास को सम्मिलित करना आदि शामिल हैं। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के गुरु-दक्षता जैसे कार्यक्रम उच्च शिक्षा की बुनियाद को मजबूत करेंगे।

उच्च शिक्षा की बुनियाद को मजबूत करेंगे गुरु-दक्षता जैसे कार्यक्रम

महेंद्रगढ़। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग और भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद उच्च शिक्षा में गुणवत्ता को बनाए रखने के लिए न केवल विद्यार्थियों के लिए छात्र प्रेरण कार्यक्रम का शुभारंभ किया बल्कि शिक्षकों के लिए गुरु दक्षता कार्यक्रम भी प्रारंभ किया। हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ का कहना है कि जब भी शिक्षण और प्रशिक्षण की बात आती है, तो उसके लिए जो माध्यम सबसे ज्यादा आवश्यक हैं, वह हैं-शिक्षण संस्थान और वहां प्रशिक्षण और शिक्षण देने वाले आचार्य।

उच्च शिक्षण संस्थानों में आचार्यों का चयन परास्नातक और राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण अभ्यर्थियों का साक्षात्कार के पश्चात किया जाता है। यहां पर यह तथ्य स्पष्ट करने का तात्पर्य

यह है कि उच्च शिक्षण संस्थानों में कार्यरत आचार्यों की शिक्षा और उपाधि वही होती है जिसको विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने तय किया है।

प्रो. कुहाड़ कहते हैं कि हमारे पूर्व राष्ट्रपति डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने इस बात पर बल दिया था कि देश में सर्वश्रेष्ठ बुद्धि वाले लोग शिक्षक होने चाहिए।

उच्च शिक्षण संस्थानों में चयनित किए गए नए आचार्यों को अपने ज्ञान को शिक्षार्थियों तक कैसे स्थानान्तरित करना है, उसका प्रशिक्षण दिए जाने की जरूरत महसूस होती है, इसीलिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग और भारतीय तकनीकी शिक्षण परिषद ने ऐसे आचार्यों के प्रशिक्षण हेतु गुरु दक्षता कार्यक्रम का प्रारम्भ किया ताकि ऐसे आचार्यों को जिन्हें शिक्षण में किसी प्रकार की समस्या हो रही है, उन्हें एक उच्च स्तरीय प्रशिक्षण दिया जाए।

कोविड-19 टीकाकरण में भागीदार बन देश को बचाने में योगदान दें : प्रो. आरसी कुहाड़

राष्ट्रीय खबर ब्यूरो

चंडीगढ़: हमारा देश और पूरा विश्व कोविड-19 महामारी से जूझ रहा है। हमारे वैज्ञानिकों और चिकित्सकों के सम्मिलित प्रयास से कोविड-19 से बचने के लिए, रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए, वैक्सीन तैयार कर ली गई है। अभी तक देश के 14 करोड़ लोगों को यह वैक्सीन दी जा चुकी है। भारत की जनसंख्या को देखते हुए यह संख्या बहुत कम है। अभी तक हम अपनी कुल जनसंख्या के लगभग 10 प्रतिशत लोगों को ही वैक्सीन दे पाए हैं। इस कार्य के लिए केवल सरकारी प्रयास ही पर्याप्त नहीं हैं, सामाजिक प्रयास और लोगों की भागीदारी के द्वारा ही हम निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त कर सकेंगे।

वैक्सीन से संबंधित जो भ्रांतियां लोगों के मन में हैं उन्हें दूर करना होगा। हकेवि के कुलपति प्रो. आर. सी. कुहाड़ ने कहा कि इस कार्य में शिक्षण संस्थानों के विद्यार्थियों की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण हो जाती है,



क्योंकि वह समाज के शिक्षित वर्ग का प्रतिनिधित्व करते हैं और देश के भावी निर्माता हैं। इसलिए उन्हें अपने उत्तरदायित्व का बोध करते हुए देश पर आई इस आपदा का सामना करने के लिए लोगों को वैज्ञानिक व चिकित्सीय तथ्यों से अवगत कराते हुए उनके स्वस्थ रहने के उपायों पर चर्चा करें। वैक्सीन के लिए अधिकारी प्रत्येक व्यक्ति को वैक्सीन लगावाने के लिए प्रेरित करें, स्वयं वैक्सीन लगवाएं और साथ में वैक्सीन लगवाने के लिए प्रारंभिक शर्तें, जरूरतें और वैक्सीन लगवाने के बाद क्या सावधानियां रखें।

हरियाणा पलिस की पढ़त

राष्ट्रीय खबर
हमारी नज़र

Tue, 27 April 2021

<https://www.readwhere.com/re>



‘कोविड-19 टीकाकरण अभियान में भागीदार बन देश को बचाने में योगदान दें शिक्षण संस्थान: प्रो. कुहाड़’

महेंद्रगढ़, 26 अप्रैल (मोहन, परमजीत): हमारा देश और पूरा विश्व कोविड-19 महामारी से जूझ रहा है। हमारे वैज्ञानिकों और चिकित्सकों के सम्मिलित प्रयास से कोविड-19 से बचने के लिए, रोग प्रतिरोधक क्षमता

बढ़ाने के लिए वैक्सीन तैयार कर ली गई है। अभी तक देश के लगभग 14 करोड़ लोगों को यह वैक्सीन दी जा चुकी है। भारत की जनसंख्या को देखते हुए यह संख्या बहुत कम है।

अभी तक हम अपनी कुल जनसंख्या के लगभग 10 प्रतिशत लोगों को ही वैक्सीन दे पाए हैं। इस कार्य के लिए केवल सरकारी प्रयास ही पर्याप्त नहीं हैं, सामाजिक प्रयास और लोगों की भागीदारी द्वारा ही हम निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त कर सकेंगे। इसके लिए समाज के शिक्षित लोगों को आगे आना होगा और वैक्सीन से संबंधित जो भ्रांतियां लोगों के मन में हैं उन्हें दूर करना होगा। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ ने कहा कि इस



कुलपति प्रो.
आर.सी. कुहाड़।

कार्य में शिक्षण संस्थानों के विद्यार्थियों की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण हो जाती है, क्योंकि वह समाज के शिक्षित वर्ग का प्रतिनिधित्व करते हैं और देश के भावी निर्माता हैं।

इसलिए उन्हें अपने उत्तरदायित्व का बोध करते हुए देश पर आई इस आपदा का सामना करने के लिए लोगों को वैज्ञानिक व चिकित्सीय तथ्यों से अवगत कराते हुए उनके स्वस्थ रहने के उपायों पर चर्चा करें। वैक्सीन के लिए अधिकारी प्रत्येक व्यक्ति को वैक्सीन लगवाने के लिए प्रेरित करें, स्वयं वैक्सीन लगवाएं और साथ में वैक्सीन लगवाने के लिए प्रारंभिक शर्तें, जरूरतें और वैक्सीन लगवाने के बाद क्या सावधानियां रखें, उस पर भी चर्चा कर समाज के उन लोगों को शिक्षित और प्रशिक्षित करें, जिन्हें स्वास्थ्य के नियमों का समुचित ज्ञान और ध्यान नहीं है।

प्रो. कुहाड़ ने कहा कि विश्व में जब कभी ऐसी आपदाएं आई हैं, तो उनका सामना करने के लिए

शिक्षित समाज को आगे आना पड़ा है। यह बिल्कुल स्पष्ट है कि यह आपदा भारत देश और पूरे विश्व के लिए बहुत बड़ी समस्या बनी हुई है। यहां पर भी विद्वान लोगों को आगे आना होगा और समाज हित, राज्य हित, राष्ट्र हित और वसुधा के हित हेतु उन्हें अपने समय, श्रम, ज्ञान और धन का नियोजन इस हेतु करना ही होगा।

भारत सरकार ने आगामी 1 मई से 18 वर्ष से अधिक उम्र के देश के प्रत्येक नागरिक को वैक्सीन देने के लिए निर्देशित किया है। हमने हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों से भी अनुरोध किया है कि वे शीघ्रता से इस वैक्सीन के लिए अपना पंजीकरण कराएं और वैक्सीन लगवाएं। साथ ही साथ वह अपने परिजनों, दोस्तों, पड़ोसियों को भी इसके लिए प्रोत्साहित करें। प्रो. कुहाड़ ने यह अपील की कि वैक्सीन लगवाने के लिए शिक्षण संस्थाओं के शिक्षक, कर्मचारी व विद्यार्थी आगे आए व इस उद्देश्य को सफल बनाएं। यह आपके सम्मिलित प्रयास से ही सम्भव है।

कोविड-19 टीकाकरण अभियान में भागीदार बन देश को बचाने में योगदान दें : प्रो. आरसी

महेंद्रगढ़, (जगमार्ग न्यूज)। हमारा देश और पूरा विश्व कोविड - 19 महामारी से जूझ रहा है। हमारे वैज्ञानिकों और चिकित्सकों के सम्मिलित प्रयास से कोविड- 19 से बचने के लिए, रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए, वैक्सीन तैयार कर ली गई है। अभी तक देश के लगभग 14 करोड़ लोगों को यह वैक्सीन दी जा चुकी है। भारत की जनसंख्या को देखते हुए यह संख्या बहुत कम है। अभी तक हम अपनी कुल जनसंख्या के लगभग 10 प्रतिशत लोगों को ही वैक्सीन दे पाए हैं। इस कार्य के लिए केवल सरकारी प्रयास ही पर्याप्त नहीं है, सामाजिक प्रयास और लोगों की भागीदारी के द्वारा ही हम निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त कर सकेंगे। इसके लिए समाज के शिक्षित लोगों को आगे आना होगा और वैक्सीन से संबंधित जो भ्रांतियां लोगों के मन में हैं उन्हें दूर करना होगा। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति कुहाड़ ने कहा कि इस कार्य में शिक्षण संस्थानों के विद्यार्थियों की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण हो जाती है, क्योंकि वह समाज के शिक्षित वर्ग का प्रतिनिधित्व करते हैं और देश के भावी निर्माता हैं। इसलिए उन्हें अपने उत्तरदायित्व का बोध करते हुए देश पर आई इस आपदा का सामना करने के लिए लोगों को वैज्ञानिक व चिकित्सीय तथ्यों से अवगत कराते हुए उनके स्वस्थ रहने के उपायों पर चर्चा करें। वैक्सीन के लिए अधिकारी प्रत्येक व्यक्ति को वैक्सीन लगावाने के लिए प्रेरित करें स्वयं वैक्सीन लगवाएं और साथ में वैक्सीन लगवाने के लिए प्रारंभिक शर्तें, जरूरतें और वैक्सीन लगवाने के बाद क्या सावधानियां रखें, उस पर भी चर्चा कर समाज के उन लोगों को शिक्षित और प्रशिक्षित करें, जिन्हें स्वास्थ्य के नियमों का समुचित ज्ञान और ध्यान नहीं है।



यूजीसी ने सभी विश्वविद्यालयों को लिखा पत्र

अमर उजाला ब्यूरो

नई दिल्ली। देश के सभी विश्वविद्यालयों में स्नातक प्रोग्राम में साइबर सुरक्षा विषय अनिवार्य पाठ्यक्रम में शामिल होगा। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने सभी विश्वविद्यालयों और कॉलेजों को साइबर सुरक्षा को पाठ्यक्रम में शामिल करने, साइबर सुरक्षा स्टार्टअप और हैकथॉन पर काम करने का निर्देश दिया है।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की ओर से इस संबंध में सभी राज्यों के मुख्य सचिव और सभी विश्वविद्यालयों के कुलपतियों को पत्र लिखा गया है। इसमें लिखा है कि साइबर स्पेस एक जटिल परिवेश है। इसमें सूचना और संचार प्रौद्योगिकी उपकरणों तथा नेटवर्क की मदद से लोगों के बीच संपर्क, सॉफ्टवेयर और सेवाएं शामिल हैं। यह इरादतन या अकस्मात, मानव निर्मित या प्राकृतिक घटनाओं के लिहाज से काफी संवेदनशील है। इसलिए साइबर सुरक्षा आज की जुड़ी हुई दुनिया में प्रमुख चिंता का विषय बन गई है।



साइबर सुरक्षा स्टार्टअप और हैकथॉन पर करें काम

केंद्र सरकार राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा रणनीति दस्तावेज तैयार करने की प्रक्रिया में है और इस बीच यह निर्णय लिया गया है कि स्कूल स्तर पर साइबर सुरक्षा जागरूकता शुरू होनी चाहिए, जहां पाठ्यक्रम साइबर सुरक्षा कदमों के साथ शुरू हो सकता है और इसमें आईआईटी तथा उच्च शिक्षा स्तर पर उत्तरोत्तर आक्रामक तथा रक्षात्मक पहलू शामिल हों। आयोग ने कहा है कि वे साइबर सुरक्षा पर काम करने के साथ छात्रों और शिक्षकों को प्रोत्साहित करें। इसके अलावा साइबर सुरक्षा विषय को पाठ्यक्रम में भी शामिल करें।

विवि अनुदान आयोग का प्रयास सराहनीय : कुहाड़

संवाद सूत्र, महेंद्रगढ़ : अप्रैल का महीना चल रहा है, कोरोना महामारी की दूसरी लहर चरम पर है। यदि ऐसा न होता, तो विश्वविद्यालयों में प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ हो गई होती। इन विपरीत परिस्थितियों में भारत सरकार का विश्वविद्यालय अनुदान आयोग और अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद, उच्च शिक्षा में गुणवत्ता को बनाए रखने के लिए निरंतर प्रयत्नशील रहा है। उसी के परिणाम स्वरूप नामांकन प्रक्रिया से लेकर दीक्षांत और उसके बाद पूर्व विद्यार्थियों के मिलन समारोह के लिए भी विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने अपनी मार्ग-दर्शिका बनाई हुई है। जब भी कभी मार्गदर्शन की बात आती है और मार्गदर्शन के लिए जो कुछ सामग्री तैयार करनी होती है, तो उसे, उस क्षेत्र से संबंधित निष्णात विद्वानों की सहायता से तैयार किया जाता है। हम सब जानते हैं कि कोई भी कार्य धरातल पर तब उतरता है, जब उसके पीछे कभी उस कार्य को करने के लिए विचार किया गया होता है। मस्तिष्क में आए हुए विचारों को लिपिबद्ध किया जाता है। उन्हें एक स्वरूप और

नाम दिया जाता है। उसके बाद उन्हें धरातल पर लाने के लिए संबंधित संस्थाओं के सुपुर्द कर दिया जाता है। अब यह जिम्मेदारी उन संस्थाओं की है, जिनके लिए यह मार्गदर्शिका तैयार की गई है। यह मार्गदर्शिका तैयार की गई है, विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों व उच्च शिक्षण संस्थानों के लिए। इसलिए यह जिम्मेदारी भी बनती है कि विवि अनुदान आयोग और अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद ने इतना परिश्रम करके जिन मार्गदर्शिकाओं को शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए बनाया है। उसको कार्य रूप में परिणत करने की जिम्मेदारी उच्च शिक्षा संस्थानों, महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों की है।

इसमें शिक्षकों और उच्च शिक्षण संस्थानों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों दोनों के लिए जरूरी मार्गदर्शन है। इसी तथ्य को ध्यान में रखते हुए हरियाणा केंद्रीय विवि ने यह फैसला लिया है कि आने वाले समय में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा उच्च शिक्षा में गुणवत्ता के लिए जो मार्गदर्शिकाएं तैयार की गई हैं।

कविता के माध्यम से दिया संक्रमण से बचने का संदेश

जागरण संवाददाता, नारनौल: महेंद्रगढ़ केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने कोरोना को लेकर कविता लिखी है। इस कविता में उन्होंने कोरोना से बचने के लिए उपायों से लेकर खान-पान और बड़े बुजुर्गों को नसीहत दी है।



प्रो. आरसी कुहाड़ • जागरण

कोरोना से बचते और बचाते चलो,
मास्क खुद पहनों और पहनाते चलो
खुद बचो और दूसरों को बचाते चलो
हवा में है कोरोना, हवा छानते चलो
भीड़ से दूरी बना कर चलो,
गाड़ी में चलो, दोस्तों संग तुम चलो
मास्क मुंह पर, तुम लगाते चलो
बस में चलो, रेल में चलो
मास्क पहनते चलो, दूरी बनाके चलो
घर पर जब जाओ, हाथों को साबुन
से धोओ
बच्चों के पास जाने से पहले
स्नान करो, वस्त्र बदलो
हो सके तो, दूरी बना के चलो

पैदल चलो, फेफड़ों को मजबूत करो,
गुब्बारे फुलाते चलो, योग अपनाते
चलो
प्राणायाम करो, ध्यान धरो
विटामिन सी से युक्त खाद्य लेते चलो
हल्दी वाला दूध, पीते चलो
खुद पियो बच्चों और बुजुर्गों को भी
पिलाओ
वैक्सीन लगाते चलो
वैक्सीन लगाने पर भी मास्क पहनते
चलो
सावधानियां अपनाते चलो
अपने आप अपनों को बचाते चलो
कोरोना को हराते चलो
-प्रो कुहाड़।

मील का पत्थर साबित होगा समझौता ज़ापन : वीसी

माई सिटी रिपोर्टर

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हर्कैवि) ने नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फूड टेक्नोलॉजी एंटरप्रेन्योरशिप एंड मैनेजमेंट (एनआईएफटीईएम), कुंडली, भारत के साथ समझौता ज़ापन पर हस्ताक्षर किए हैं। एमओयू का उद्देश्य एप्लाइड रिसर्च, इंडस्ट्री और एंटेड इनोवेशन, रिसोर्स शेयरिंग, ह्यूमन रिसोर्स डेवलपमेंट के क्षेत्र में और विकास गतिविधियों को बढ़ावा देना और प्रशिक्षण हेतु संकाय सदस्यों, विद्यार्थियों का आदान-प्रदान करना है।

समझौता ज़ापन हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की ओर से कुलसचिव डॉ. जेपी भूकर, राष्ट्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी उद्यमिता और



ज़ापन हस्तांतरित करते प्रो. कुहाड़ और निफ्टम के वीसी प्रो. चिंदी वासुदेवप्पा।

प्रबंधन संस्थान (एनआईएफटीईएम) के कुलसचिव डॉ. जेएस राणा ने दोनों संस्थानों के कुलपतियों की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए। राष्ट्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी उद्यमिता और प्रबंधन संस्थान खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण में खाद्य प्रसंस्करण का प्रमुख शैक्षणिक संस्थान है। हरियाणा केंद्रीय

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ इस समझौता ज़ापन को विश्वविद्यालय के लिए मील का पत्थर बताते हुए कहा कि इस समझौते से कुशल मानव संसाधन और उपलब्ध संसाधनों का कुशल उपयोग करने के लिए आत्मनिर्भर भारत अभियान में सहयोग करने के लिए शिक्षाविदों का एक महान अवसर भी प्रदान करेगा। उन्होंने

कहा कि समझौता ज़ापन खाद्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी, खाद्य गुणवत्ता नियंत्रण और खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र में उभरते उद्यमियों के लिए फूड माइक्रोबायोलॉजी, फूड टेक्नोलॉजी से संबंधित कुशल आधारित प्रशिक्षण प्रदान करने में मदद करेगा। इसके अलावा दोनों ही संस्थान मिलकर फूड पैकेजिंग और मार्केटिंग के स्तर पर भी काम करेंगे। राष्ट्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी उद्यमिता और प्रबंधन संस्थान के कुलपति प्रो. चिंदी वासुदेवप्पा ने समझौता ज़ापन लागू करने में संकाय सदस्यों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि इससे दोनों संस्थानों के विद्यार्थियों और कर्मचारियों को लाभ होगा। विवि की ओर से डॉ. गुंजन गोयल और डॉ. सुरेंद्र सिंह उपस्थित रहे।



भारत की राष्ट्रीय शिक्षा नीति अत्याधुनिक, भविष्यवादी : मोदी

पीएम बोले...समान अधिकार से ही समाज में समरसता

अहमदाबाद। प्रधानमंत्री नरेंद्र पर जोर देते थे। आज के वैश्विक मोदी ने भारत की राष्ट्रीय शिक्षा परिदृश्य में यह बात और भी नीति को अत्याधुनिक और महत्वपूर्ण हो जाती है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति अत्याधुनिक और वैश्विक मानकों के अनुरूप हैं। पीएम ने कहा कि डॉ. राधाकृष्णन ने शिक्षा के विभिन्न पहलुओं की बात की थी और वही शिक्षा नीति के मूल में दिखता है। मैं इस पर लगातार विशेषज्ञों से चर्चा करता रहा हूं। यह जितनी व्यवहारिक है, क्रियान्वयन भी उतना



भारतीय विश्वविद्यालय संघ की 95वीं वार्षिक बैठक और कुलपतियों की राष्ट्रीय संगोष्ठी को वीडियो वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संबोधित करते हुए पीएम ने कहा, नागरिकों के समान अधिकार से ही समाज में समरसता आती है और देश प्रगति करता है। डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन शिक्षा के भारतीय चरित्र

शिक्षा नीति के मूल में दिखता है। मैं इस पर लगातार विशेषज्ञों से चर्चा करता रहा हूं। यह जितनी व्यवहारिक है, क्रियान्वयन भी उतना

बाबा साहब का संघर्ष हर पीढ़ी के लिए मिसाल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर की 130वीं जयंती पर उन्हें नमन किया। उन्होंने ट्वीट किया, भारत रत्न डॉ. बाबा साहब अंबेडकर को उनकी जयंती पर शत-शत नमन।

ही व्यवहारिक है। पीएम ने कहा कि हर छात्र की अपनी सामर्थ्य होती है और शिक्षक जब उसकी आंतरिक क्षमता के साथ संस्थागत क्षमता दे दे तो छात्रों का विकास व्यापक हो जाता है। आज आत्मनिर्भर भारत अभियान में कुशल युवाओं की भूमिका और मांग बढ़ती ही जा रही है। एजेंसी

हकेंवि में नववर्ष के उपलक्ष्य में हुआ हवन



हकेंवि में हिंदू नववर्ष के अवसर पर हवन का हुआ आयोजन • जागरण

संवाद सूत्र, महेंद्रगढ़: विक्रमी संवत् 2078 हिंदू नववर्ष के अवसर पर हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में हवन का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय की स्वामी दयानंद सरस्वती पीठ, योग व संस्कृत विभाग के द्वारा आयोजित इस हवन में विश्वविद्यालय के विभिन्न वरिष्ठ अधिकारियों, शिक्षकों, शिक्षणेतर कर्मचारियों, विद्यार्थियों व शोधार्थियों ने आहुति देकर नववर्ष का स्वागत किया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने सभी को नववर्ष की बधाई दी।

विश्वविद्यालय की स्वामी दयानंद सरस्वती पीठ के पीठाचार्य प्रो. रणवीर सिंह ने हवन स्थल पर

उपस्थित सभी प्रतिभागियों को वेदों के महत्व से अवगत कराया और उनके विषय में विस्तार से जानकारी दी। इसी तरह योग विभाग के सहायक आचार्य डा. रवि कुमार ने हिंदू नववर्ष के संदर्भ में प्रतिभागियों को बताया और कहा कि यह आयोजन समूचे देश में विभिन्न नामों से हो रहा है। कहीं इसे गुडी पडवा कहते हैं तो कहीं इसे युगादि के नाम से जाना जाता है। विश्वविद्यालय के प्रो. संजीव कुमार, डा. प्रमोद कुमार, डा. मनीषा, डा. संदीप दुल, डा. मनोज कुमार, डा. कुमुद प्रसाद आचार्य, डा. अजय पाल, डा. पंकज सहित विभिन्न विभागों के शिक्षक, कर्मचारी, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

बाबा साहब का जीवन प्रेरणास्रोत

महेंद्रगढ़ | बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की 130वीं जयंती पर हर्केंवि में ऑनलाइन विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया। विवि के अनुसूचित जाति जनजाति प्रकोष्ठ द्वारा समकालीन भारत में अंबेडकर के विचारों की प्रासंगिकता विषय पर आयोजित कार्यक्रम में कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने कहा बाबा साहब का जीवन हम सभी के लिए प्रेरणा स्रोत है। प्रो. कुहाड़ ने अंबेडकर के जीवन पर प्रकाश डाला और कहा कि उन्होंने भारत के संविधान निर्माण के साथ-साथ समाज के पिछड़े व वंचितों के लिए जीवन पर्यन्त तक कार्य किया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता सिद्धांत मुर्मू विवि, दुमका, झारखंड की कुलपति प्रो. सोनाझारिया मिंज ने कहा बाबा साहब की जयंती पर यह कार्यक्रम अवश्य ही हमें उनके विचारों से अवगत होने और जीवन में समाहित करने के लिए प्रेरित करेगा। उन्होंने कहा डॉ. अंबेडकर ने सामाजिक लोकतंत्र की परिकल्पना पर विशेष जोर दिया। प्रो. मिंज ने कहा आज के व्याख्यान का विषय समकालीन भारत में अंबेडकर के विचारों की प्रासंगिकता है, जोकि स्पष्ट करता है कि अभी भी हम इस मोर्चे पर कुछ पीछे हैं और इसके लिए विशेष प्रयास करने की आवश्यकता है। दिल्ली विवि के श्री अरविंदो कॉलेज के शिक्षक डॉ. हंसराज सुमन ने बाबा साहब के विचारों की प्रासंगिकता और उनके प्रयासों का विशेष रूप से उल्लेख किया। डॉ. सुमन ने कहा डॉ. अंबेडकर के विचारों पर अमल की प्रक्रिया जारी है और अवश्य ही स्वतंत्रता, समता व विश्व बंधुत्व का भाव भारत व विश्व के निर्माण में मददगार साबित होगा।

'टीका उत्सव को सफल बनाने का लें संकल्प'

संवाद सूत्र, महेंद्रगढ़: संपूर्ण विश्व में कोरोना एक बार फिर से अपने पैर पसार रहा है। इस बार भारत में भी



प्रो. आरसी कुहाड़ ●

कोरोना अधिक घातक रूप में हमारे सामने आ रहा है। हालांकि, हमारे विज्ञानियों ने कठिन परिश्रम से कोरोना वैक्सीन का निर्माण कर लिया है व वैक्सीन आमजन को लगाई जा रही है। जब तक सभी को वैक्सीन नहीं लग जाती, तब तक मास्क, दो गज की दूरी, बार-बार हाथ धोना ही कोरोना के संक्रमण से बचाव का तरीका है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में हमारे देश में वैक्सीनेशन का कार्य बड़े ही प्रभावी ढंग से चल रहा है। प्रधानमंत्री का महात्मा ज्योतिबा फूले की जयंती से बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर की जयंती तक टीका उत्सव आयोजन करने का सुझाव अवश्य ही भारत को कोरोना मुक्त करने में महत्वपूर्ण प्रयास साबित होगा। यह अकेले बातें हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हर्केवि), महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो.

आरसी कुहाड़ ने कहीं। कुलपति ने कहा कि कोरोना से बचाव का टीका योग्य व्यक्ति को अवश्य लगवाना चाहिए। हम संकल्प करें कि टीका उत्सव को सफल बनाएं।

पिछले कुछ दिनों में हमारे देश जिस तरह से कोरोना संक्रमित लोगों की संख्या में इजाफा हुआ है, वह वास्तव में चिंता की बात है। उन्होंने कहा कि हमें डर कर नहीं डट कर कोरोना से मुकाबला करना है। प्रो. कुहाड़ ने योग्य व्यक्तियों से कोरोना बचाव का टीका लगवाने की अपील करते हुए कहा कि टीका लगवाने के साथ-साथ हमें सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करना चाहिए। कुलपति ने टीका उत्सव की शुरुआत पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दिए गए चार मंत्रों, जो लोग स्वयं जाकर टीका नहीं लगवा सकते, उनकी मदद करना, जिन लोगों के पास साधन नहीं हैं, उनकी कोरोना के इलाज में मदद करना, मास्क पहनकर स्वयं बचने व दूसरों को बचाने तथा माइक्रो कंटेनमेंट जोन बनाने में मदद करना, को स्वयं अपनाने और इनके अमल के लिए दूसरों को प्रेरित करने की भी अपील की।



महेन्द्रगढ़।
सेंट्रल
यूनिवर्सिटी
के
विद्यार्थी।
फोटो:
हरिभूमि

होटल प्रबंधन की बारीकियां सीखेंगे सीयू के विद्यार्थी

- संबंधित कार्यक्षेत्र के ज्ञान को अपडेट रखने में मिलेगी मदद

हरिभूमि न्यूज ►► महेन्द्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के पर्यटन एवं होटल प्रबंधन विभाग के होटल प्रबंधन स्नातकोत्तर अंतिम वर्ष के चार विद्यार्थियों जिलशिद, जिलशाद, फारसीन एवं प्रसाद का चयन बैंगलोर के प्रसिद्ध पांच सितारा होटल शेराटन ग्रेंड में औद्योगिक प्रशिक्षण हेतु साक्षात्कार प्रक्रिया द्वारा

कुलपति ने कहा कि प्रतिष्ठित संस्थानों में व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त करने से विद्यार्थियों को संबंधित कार्यक्षेत्र के ज्ञान को अपडेट रखने में मदद मिलती है। उन्होंने कहा कि यह पाठ्यक्रम बेहद कौशलपरक होने के साथ-साथ रोजगार के भी अच्छे अवसर प्रदान करने वाला है।

इस क्षेत्र में देश में ही नहीं अपितु विदेशों में भी रोजगार की असीम संभावनाएं मौजूद हैं। पर्यटन एवं होटल प्रबंधन विभाग के

औद्योगिक प्रशिक्षण लेंगे हकेंवि के 4 विद्यार्थी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) के पर्यटन एवं होटल प्रबंधन विभाग के होटल प्रबंधन स्नातकोत्तर अंतिम वर्ष के चार विद्यार्थियों जिलशाद, जिलशाद, फारसीन और प्रसाद का चयन बेंगलुरु के प्रसिद्ध पांच सितारा होटल शेराटन ग्रैंड में औद्योगिक प्रशिक्षण के लिए साक्षात्कार प्रक्रिया द्वारा चयन हुआ है।

विद्यार्थियों के चयन पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने शुभकामनाएं देते हुए कहा कि औद्योगिक प्रशिक्षण से विद्यार्थियों को कार्यक्षेत्र के व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करने का अवसर मिलता है।

कुलपति ने विभाग के सभी शिक्षकों को भी शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि प्रतिष्ठित संस्थानों में व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त करने से विद्यार्थियों को संबंधित कार्यक्षेत्र के ज्ञान को अपडेट रखने में मदद मिलती है। उन्होंने कहा कि यह पाठ्यक्रम बेहद कौशलपरक होने के साथ-साथ रोजगार के भी अच्छे अवसर प्रदान करने वाला है। ब्यूरो

शेराटन ग्रैंड में प्रशिक्षण को 4 विद्यार्थी चयनित

महेंद्रगढ़। हकेंवि के पर्यटन एवं होटल प्रबंधन विभाग के अंतिम वर्ष के 4 विद्यार्थियों जिलशाद, जिलशाद, फारसीन एवं प्रसाद का चयन बेंगलुरु के 5 सितारा होटल शेराटन ग्रैंड में प्रशिक्षण हेतु चयन हुआ है। विवि कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा यह पाठ्यक्रम बेहद कौशलपरक होने के साथ-साथ रोजगार के अच्छे अवसर प्रदान करने वाला है। पर्यटन एवं होटल प्रबंधन विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. रणवीर सिंह ने बताया



औद्योगिक प्रशिक्षण विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इस अवसर पर विभाग के अध्यापको शिखा, विकास मोहन, विकास सिवाच एवं डॉ. दिलबाग सिंह ने सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दीं।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में लगाई गई कोरोना से बचाव की वैक्सीन

कुलपति सहित विभिन्न शिक्षण व शिक्षणेतर कर्मचारियों ने लगवाई वैक्सीन

महेंद्रगढ़, एनसीआर हरियाणा (प्रदीप बालरोडिया) कोरोना से बचाव के लिए देशभर में जारी वैक्सिनेशन प्रक्रिया के तहत हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में स्थानीय प्रशासन के सहयोग से बुधवार को वैक्सीन लगाई गई। विश्वविद्यालय में 45 साल या इससे अधिक उम्र के विभिन्न शिक्षण व शिक्षणेतर कर्मचारियों ने यह वैक्सीन लगवाई। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ ने वैक्सीन लगवाने के बाद कहा कि बचाव के उपायों पर गंभीरता के साथ अमल किया जाए। कुलपति ने विश्व

स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर सभी को स्वास्थ्य के नियमों का पालन करने और अन्य को इसके लिए प्रेरित करने का संकल्प करने के लिए भी प्रोत्साहित किया।

कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ ने कहा कि कोरोना महामारी से बचाव के लिए बेहद जरूरी है कि सरकार की ओर से लगवाई जा रही वैक्सीन सभी अपनी योग्यता के अनुसार लगवाएं। साथ ही साथ जब तक कोरोना संकट से पूर्णतया राहत न मिल जाए तब तक आवश्यक सावधानी का कड़ाई व जिम्मेदारी के साथ पालन करें।



केंद्रीय विश्वविद्यालय में लगाई कोरोना वैक्सीन

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में स्थानीय प्रशासन के सहयोग से बुधवार को वैक्सीन लगाई गई। विवि में 45 साल या इससे अधिक उम्र के विभिन्न शिक्षण व शिक्षणेतर कर्मियों ने ये वैक्सीन लगवाई। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने वैक्सीन लगवाने के बाद कहा कि बचाव के उपायों पर गंभीरता के साथ अमल किया जाए।

स्कूलों में नई शिक्षा नीति लागू करने का एक्शन प्लान तैयार

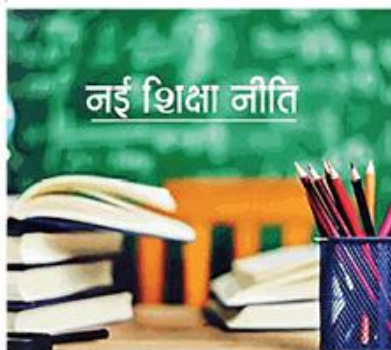
जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अमल को लेकर सरकार फिलहाल पूरी ताकत से जुटी हुई है। इसका अंदाजा इससे भी लगाया जा सकता है कि वर्ष 1986 में आई शिक्षा नीति के अमल से जुड़े जिस एक्शन प्लान को बनाने में छह साल का समय लगा था, उसे मौजूदा सरकार ने साल भर के भीतर तैयार कर लिया है। साथ ही इसके प्रभावी अमल को लेकर सार्थक नाम से एक पोर्टल भी लांच कर दिया है। यह नीति के अमल से जुड़े विषयों पर राज्यों के बीच सेतु का काम करेगा। इसके जरिये ही राज्यों में अमल को लेकर सुझाव दिए जाएंगे। साथ ही उनके अमल पर नजर भी रखी जा सकेगी।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक ने गुरुवार को स्कूलों में नई शिक्षा नीति के अमल से जुड़ा पूरा एक्शन प्लान जारी किया। साथ ही राज्यों के अमल पर पैनी नजर रखने वाले सार्थक (स्टूटेंड एंड टीचर्स होलिस्टिक एडवांसमेंट थ्रू क्वालिटी एजुकेशन) पोर्टल को लांच

इससे पहले आई शिक्षा नीति के अमल से जुड़े एक्शन प्लान को बनाने में लगे थे छह साल

निशंक ने लांच किया सार्थक नाम से पोर्टल, राज्य जरूरत के मुताबिक कर सकेंगे बदलाव



किया। फिलहाल यह एक्शन प्लान शिक्षा की समवर्ती प्रकृति को देखते हुए तैयार किया गया है। इसमें राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को यह छूट दी गई है कि वे स्थानीय संदर्भ और जरूरत के मुताबिक अहम बदलाव भी कर सकते हैं। स्कूलों से जुड़ा यह प्लान 10 वर्षों का है। इस मौके पर

निशंक ने कहा कि सार्थक स्कूलों में नई शिक्षा नीति के अमल का एक दस्तावेज है। यह मुख्य रूप से सांकेतिक और सुझाव देने वाला है। इसे समय-समय पर विभिन्न हितधारकों से मिलने वाले इनपुट और फीडबैक के आधार पर अपडेट भी किया जा सकेगा।

एक्शन प्लान जारी करने के मौके पर नीति में स्कूली शिक्षा के लिए की गई प्रमुख सिफारिशों पर भी चर्चा की गई। साथ ही पिछली नीति के अमल की खामियों को भी प्रमुखता से रेखांकित किया गया है, ताकि नई नीति के अमल में ऐसी गलतियां न हों। साथ ही इसके अमल और परिणाम को लेकर जो लक्ष्य तक किए गए हैं, वह हासिल हो सके।

गौरतलब है कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति को केंद्र सरकार ने जुलाई 2020 में मंजूरी दी थी। इसके बाद से ही इसके अमल का काम तेजी से चल रहा है। इसके लिए लक्ष्य पहले ही तय किए जा चुके हैं। सरकार की मंजूरी मिलते ही इसे तत्काल लागू करने की योजना है। शिक्षा के क्षेत्र में यह बड़ा बदलाव होगा।

वीसी सहित शिक्षण व शिक्षणेत्तर कर्मचारियों ने लगवाई वैक्सीन



कोरोना
से बचाव
का टीका
लगवाते
हरियाणा
केंद्रीय विवि
के कुलपति
प्रो.
आर.सी.
कुहाड़।

महेंद्रगढ़ | हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में स्थानीय प्रशासन के सहयोग से बुधवार को वैक्सीन लगाई गई। विवि में 45 साल या इससे अधिक उम्र के विभिन्न शिक्षण व शिक्षणेत्तर कर्मचारियों ने वैक्सीन लगवाई। विवि के कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ ने वैक्सीन लगवाने के बाद कहा कि बचाव के उपायों पर गंभीरता के साथ अमल किया जाए। कुलपति ने विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर सभी को स्वास्थ्य के

नियमों का पालन करने का संकल्प करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि कोरोना से बचाव के लिए बेहद जरूरी है कि सरकार की ओर से लगवाई जा रही वैक्सीन सभी अपनी योग्यता के अनुसार लगवाएं। विवि के स्वास्थ्य केंद्र में आयोजित इस वैक्सिनेशन अभियान के अंतर्गत बुधवार को वैक्सीन लगाई गई। कुलसचिव ने इस प्रयास के लिए स्थानीय प्रशासन से मिले सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।

परीक्षा पे चर्चा बना युवाओं को तनावमुक्त बनाने का आंदोलन



रमेश पोखरियाल 'तिशंक'
केंद्रीय शिक्षामंत्री

भा

रत की दो-तिहाई आबादी पैतीस से कम आयु वर्ग की है। भारत के युवा कला और विज्ञान के क्षेत्र में खुद को अलग साबित करने में सक्षम रहे हैं। देश के युवाओं के कौशल और ताकत को बढ़ाने के लिए भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी हमेशा युवाओं के साथ सहयोग एवं बातचीत के लिए आगे आए हैं। युवाओं के लिए मोदी जी ने आर्थिक और सामाजिक क्षेत्र में कई सुधार किए हैं। उन्होंने तनावमुक्त परीक्षाओं के साथ-साथ गुणवत्तापूर्ण शिक्षा व्यवस्था की वकालत की है। मैं दोहराना चाहता हूँ कि मोदी एकमात्र प्रधानमंत्री हैं जो छात्रों के साथ नियमित बातचीत करते हैं।

वर्ष 2015 से मोदी परीक्षा में बैठने वाले छात्राओं से सीधा संवाद कर रहे हैं। परस्पर संवाद और चर्चा पर आधारित अपने इन बातचीत के माध्यम से उन्होंने तनाव मुक्त परीक्षाओं के महत्व और परीक्षाओं पर ज्ञान-प्राप्ति के महत्व पर बल दिया है। परीक्षा पे चर्चा और 'एग्जामिनेशन वॉरियर्स' एक व्यापक आंदोलन का एक अहम हिस्सा बन गया है जो युवाओं के लिए तनावमुक्त वातावरण तैयार करता है। यह वह क्षण बन गया है, जिसमें प्रत्येक बच्चे के अद्वितीय व्यक्तित्व को उभारा जाता है और उन्हें प्रेरित-प्रोत्साहित किया जाता है तथा खुद को पूरी तरह से अभिव्यक्त करने की छूट दी जाती है। 'परीक्षा पे चर्चा', छात्राओं, अभिभावकों और शिक्षकों के बीच बेहद

लोकप्रिय हो गया है। पंजीकरण की घोषणा की तारीख से एक महीने से भी कम समय में, पीपीसी प्रतियोगिता में शामिल होने के लिए 'माईजीओवी पोर्टल' में पंजीकरण करने वाले प्रतिभागियों की संख्या पिछले साल की तुलना में लगभग पांच गुना बढ़ाकर-यानी लगभग 14 लाख हो गई है।

मुझे यह साझा करते हुए भी खुशी हो रही है कि हमारी सरकार परीक्षाओं को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए विभिन्न प्रकार सुधार ला रही है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 तनाव मुक्त परीक्षाओं को बढ़ावा देते हुए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने हेतु स्कूली शिक्षा के सभी स्तरों पर व्यापक सुधारों की सिफारिश करती है। हालांकि 10वीं और 12वीं कक्षा के लिए बोर्ड परीक्षा जारी रखी जाएगी। छात्र अब बोर्ड परीक्षाओं के लिए अपने पसंद के विषयों को चुनने हेतु सक्षम होंगे। बोर्ड परीक्षाओं को 'आसान' बनाया जाएगा। परीक्षा अब केवल छात्राओं की मूल दक्षताओं का परीक्षण करेगी न कि उनके रटने की क्षमता का। एनईपी एक राष्ट्रीय मूल्यांकन केंद्र की स्थापना की भी सिफारिश करती है, यह केंद्र 2021 के अंत तक स्थापित किया जाएगा। मानक-सेटिंग निकाय के रूप में परख स्थापित होगा।

हमने अपने प्रीमियर इंजीनियर टेस्ट जेईई मेन्स, नीट के साथ अन्य प्रवेश परीक्षाओं को भी सफलतापूर्वक संचालित किया है। यह सुनिश्चित किया गया है कि छात्राओं का शैक्षणिक वर्ष खराब न होने पाए। सीबीएसई ने बोर्ड परीक्षाओं के सिलेब्स को तीस प्रतिशत तक कम कर दिया था तथा स्कूलों में कक्षा 1 से 10 तक के लिए आर्ट-इंटीग्रेटेड प्रोजेक्ट वर्क शुरू किया, ताकि शिक्षण आनंदमय बनाया जा सके। कोविड के मद्देनजर छात्रों, शिक्षकों और परिवारों को मनोवैज्ञानिक समर्थन प्रदान करने के उद्देश्य से मनोदर्पण पहल की गई।

उच्च शिक्षण संस्थानों पर लगाम

शोध, नवाचार, नामांकन, शिक्षकों की उपलब्धता और छात्रों के परिणाम को बनाया जाएगा आधार, बढ़ेगी प्रतिस्पर्धा, यूजीसी के साथ मिलकर शिक्षा मंत्रालय ने मानकों को तय करने का शुरु किया काम, नीति में भी इसकी सिफारिश

प्रदर्शन के आधार पर मिलेगी वित्तीय मदद

अरविंद पांडेय, नई दिल्ली

उच्च शिक्षण संस्थानों को विश्वस्तरीय बनाने की छिड़ी मुहिम में सरकार ने फिलहाल एक और कदम आगे बढ़ाया है। जिसमें देश भर के सभी उच्च शिक्षण संस्थानों को अब प्रदर्शन के आधार पर ही वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी। यानी जो संस्थान नामांकन, परिणाम, शोध और नवाचार जैसे क्षेत्रों में बेहतर काम करेगा, उसे अब ज्यादा पैसा मिलेगा। वैसे भी नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रस्तावित लक्ष्यों को हासिल करने की एक बड़ी चुनौती भी है, जिसमें शोध और नवाचार की रफ्तार को तेज करने के साथ वर्ष 2035 तक उच्च शिक्षा के सकल नामांकन अनुपात (जीईआर) को पचास फीसद तक पहुंचाने का लक्ष्य है।

उच्च शिक्षण संस्थानों से जुड़े इन योजना पर शिक्षा मंत्रालय और यूजीसी ने यह काम उस समय शुरू किया है, जब नीति के अमल का काम तेजी से चल रहा है। इसमें उच्च शिक्षण संस्थानों के लिए एक नए आयोग का गठन प्रस्तावित है। साथ ही इसके अधीन चार



नई शिक्षा नीति करेगी कमाल।

फाइल फोटो

नए संस्थान भी गठित होने हैं। जो वित्तीय मदद से लेकर शैक्षणिक मापदंडों का निर्धारण के साथ गुणवत्ता, नियामक और शोध आदि को लेकर अलग-अलग काम करेंगे। मौजूदा समय में यह सारा काम अकेले सिर्फ विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के पास ही है। मंत्रालय का मानना है कि नई व्यवस्था उच्च शिक्षा की गुणवत्ता को बेहतर बनाने और उन्हें विश्वस्तरीय बनाने में काफी उपयोगी साबित होगी। खासकर प्रदर्शन के आधार पर उच्च शिक्षण संस्थानों को वित्तीय मदद की व्यवस्था होने से इनके बीच प्रतिस्पर्धा भी बढ़ेगी। साथ

ही मिलने वाली राशि का भी संस्थान बेहतर तरीके से इस्तेमाल करेंगे। मौजूदा समय में बड़ी संख्या में ऐसे संस्थान हैं, जो अपने पैसे का समय पर इस्तेमाल नहीं कर पाते हैं। वहीं इस नई व्यवस्था से उच्च शिक्षण संस्थानों के फंडिंग पैटर्न में पारदर्शिता भी आएगी।

यूजीसी से जुड़े सूत्रों के मुताबिक उच्च शिक्षण संस्थानों को दो जाने वाली वित्तीय मदद के लिए नए मानकों को तैयार करने का काम शुरू हो गया है। फिलहाल इसके लिए जो आधार तय किए गए हैं, उनमें नामांकन दर, परिणाम का प्रतिशत, शिक्षकों की उपलब्धता, शोध और नवाचार आदि शामिल होंगे। इस नई व्यवस्था से संस्थान कम वित्तीय मदद मिलने का आरोप भी नहीं लगा सकेंगे। बता दें कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति में शिक्षा पर कुल सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का छह फीसद खर्च करने की भी सिफारिश है। हालांकि यह लक्ष्य काफी पुराना है। वर्ष 1986 में आई पहली राष्ट्रीय शिक्षा नीति में इसकी सिफारिश की गई थी, जबकि मौजूदा समय में शिक्षा पर करीब चार फीसद ही खर्च हो रहा है।

इम्तिहान की घड़ी करीब, कल पीएम देंगे हर परिस्थिति का सामना करने का गुरु मंत्र

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ प्रस्तावित परीक्षा-पे-चर्चा को लेकर छात्रों का इंतजार अब खत्म हो गया है। पीएम सात अप्रैल को शाम सात बजे देश-दुनिया के छात्रों, शिक्षकों और परिजनों के साथ आगामी बोर्ड परीक्षाओं को लेकर चर्चा करेंगे। साथ ही उन्हें तनाव मुक्त होकर इन परीक्षाओं में शामिल होने की कुछ और नई टिप्स भी देंगे। कोरोना संक्रमण के खतरे को देखते हुए चर्चा का आयोजन इस बार वर्चुअल ही रखा गया है।

पीएम मोदी ने सोमवार को ट्वीट कर परीक्षा-पे-चर्चा की तारीख और समय दोनों का ऐलान किया। साथ ही इस दौरान दिए अपने वीडियो संदेश में कुछ टिप्स भी दी, जिसमें कहा कि 'यह परीक्षा-पे-चर्चा जरूर है, लेकिन सिर्फ परीक्षा की ही चर्चा नहीं है।' यानी इस चर्चा में परीक्षा के इतर छात्रों के जीवन से जुड़े विषयों पर भी वह उन्हें टिप्स देते दिखेंगे। करीब दो मिनट के इस वीडियो संदेश में पीएम मोदी ने छात्रों को दोस्त कहकर संबोधित किया और कहा

14 लाख लोगों ने कराये रजिस्ट्रेशन, इनमें दस लाख से ज्यादा हैं छात्र व साढ़े तीन लाख शिक्षक व परिजन



शिक्षक की भूमिका में होंगे पीएम। फाइल फोटो

कि इस बार कोरोना संक्रमण को देखते हुए यह वर्चुअल ही होगी। प्रधानमंत्री आवास के बाहर शूट किए गए इस वीडियो में पीएम मोदी कुछ टिप्स भी देते दिख रहे हैं। उन्होंने कहा, 'दरअसल परीक्षा जीवन को गढ़ने का एक अवसर है, लेकिन समस्या तब होती है, जब हम परीक्षाओं को जीवन के सपनों का अंत मान लेते हैं।' इसके अलावा इस वीडियो में वह तनाव और खाली समय के सदुपयोग की भी छात्रों की सीख देते नजर आ रहे हैं। पीएम मोदी इस

मौके पर छात्रों के साथ अभिभावकों और शिक्षकों से भी चर्चा करेंगे।

छात्रों के साथ पीएम मोदी के परीक्षा-पे-चर्चा के इस लोकप्रिय कार्यक्रम के इस चौथे चरण को लेकर पंजीयन का काम 17 फरवरी से ही शुरू हो गया था, जो 14 मार्च तक जारी रहा। इस बीच देश-विदेश के 14 लाख लोगों ने इस कार्यक्रम को लेकर अपने पंजीयन कराए हैं। इनमें दस लाख से ज्यादा छात्र हैं, जबकि करीब ढाई लाख शिक्षक और करीब एक लाख बच्चों के माता-पिता भी शामिल हैं। पहली बार इस चर्चा में शामिल होने के लिए दुनिया के करीब 81 देशों के छात्रों ने लेखन प्रतिस्पर्धा में हिस्सा लिया है। खास बात यह है कि पीएम से सीधे सवाल पूछने वाले छात्रों का चयन एक लेखन प्रतियोगिता के जरिये ही किया गया है। बता दें कि पीएम मोदी ने छात्रों के साथ परीक्षा-पे-चर्चा की यह शुरुआत वर्ष 2018 से की है। इस दौरान उन्होंने छात्रों की मदद के लिए एक्जाम वारियर्स नाम से एक किताब भी लॉन्च की थी। इसका दूसरा संस्करण भी कुछ नई टिप्स के साथ जारी कर दिया गया है।

पीएम कल करेंगे 'परीक्षा पर चर्चा'

नई दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी बुधवार को छात्रों और शिक्षकों के साथ 'परीक्षा पर चर्चा'



करेंगे। पीएम ने ट्वीट कर लिखा, 7 अप्रैल शाम 7 बजे कई दिलचस्प विषयों पर सवाल-जवाब के साथ एक्जाम वारियर्स, अभिभावकों और शिक्षकों से चर्चा होगी। बता दें कि पीएम इसके जरिये हर

साल छात्रों से संवाद करते हैं और उन्हें परीक्षा के तनाव को दूर करने उपाय सुझाते हैं। एजेंसी

‘हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के 11 विद्यार्थियों को मिली प्लेसमेंट’



प्लेसमेंट पाने वाले विद्यार्थी कुलपति व शिक्षकों के साथ।

महेंद्रगढ़, 1 अप्रैल (परमजीत/मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के बीवॉक-रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट के 11 विद्यार्थियों को लॉजिस्टिक्स क्षेत्र की प्रतिष्ठित कंपनी ओम लॉजिस्टिक्स लिमिटेड में प्लेसमेंट मिला है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ ने प्लेसमेंट में चयनित विद्यार्थियों व शिक्षकों को शुभकामनाएं देते हुए विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

कुलपति ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के सिद्धांतों पर आधारित बीवॉक-रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट का पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को रचनात्मक, समस्या समाधान, उद्यमिता, कौशल विकास आदि महत्वपूर्ण आयामों के संदर्भों में विशेष योग्यता प्रदान करता है, जिसकी वजह से

विद्यार्थी अपनी पढ़ाई पूर्ण कर विश्वविद्यालय में उपलब्ध करवाए गए प्लेसमेंट्स की मदद से देश के महत्वपूर्ण संस्थानों का हिस्सा बन रहे हैं।

व्यावसायिक अध्ययन और कौशल विकास विभाग के समन्वयक डा. पवन कुमार मौर्या ने बताया कि विश्वविद्यालय के बीवॉक-रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट के अजय, अजीत, अक्षय, हिमांशु, लोकेश, मंदीप, मनीष, नीरज, रविकांत, संदीप व संजय को डिग्री पूरी करते ही लॉजिस्टिक्स टेक्नोलॉजी, रिवर्स लॉजिस्टिक्स, डिस्ट्रीब्यूशन, कार्गो और सप्लाय चैन सेवाओं व अभिनव विचारों के लिए विश्व प्रसिद्ध ओम लॉजिस्टिक्स लिमिटेड में प्लेसमेंट मिला।

उन्होंने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि यह प्लेसमेंट शिक्षकों

के सही मार्गदर्शन का ही परिणाम है।

रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट के सहायक आचार्य डा. सुयश मिश्रा ने बताया कि छात्रों को 3 साल के दौरान रोजगारपरक पाठ्यक्रम पढ़ाया गया तथा व्यावहारिक प्रशिक्षण के दौरान उनका तजुर्बा देश के प्रमुख संस्थानों में रहा है, जिसकी वजह से विद्यार्थियों को प्रबन्धकीय जॉब ऑफर हो रही है। उन्होंने यह भी बताया कि इससे पहले भी बीवॉक-रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट के विद्यार्थियों का चयन रिलायंस रिटेल, फ्यूचर रिटेल, एक्सप्रेस लॉजिस्टिक्स, ओजी इंडिया पैकेजिंग जैसे देश के प्रतिष्ठित संस्थानों में हुआ है।

इस अवसर पर विभाग के सहायक प्राध्यापक डा. ऋषि कान्त व अन्य शिक्षकों ने विद्यार्थियों के चयन पर हर्ष जाहिर किया।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के ग्यारह विद्यार्थियों को मिला प्लेसमेंट

लॉजिस्टिक्स क्षेत्र की प्रतिष्ठित कम्पनी ओम लॉजिस्टिक्स लिमिटेड में मिला प्लेसमेंट

महेंद्रगढ़, एनसीआर हरियाणा (प्रदीप बालरोडिया) हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के बी.वॉक.-रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट के ग्यारह विद्यार्थियों को लॉजिस्टिक्स क्षेत्र की प्रतिष्ठित कम्पनी ओम लॉजिस्टिक्स लिमिटेड में प्लेसमेंट मिला है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ ने प्लेसमेंट में चयनित विद्यार्थियों व शिक्षकों को शुभकामनाएं देते हुए विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कुलपति ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के सिद्धांतों पर आधारित बी. वॉक.-रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट का पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को रचनात्मक, समस्या समाधान, उद्यमिता, कौशल विकास आदि महत्वपूर्ण आयामों के संदर्भों में

विशेष योग्यता प्रदान करता है। जिसकी वजह से विद्यार्थी अपनी पढ़ाई पूर्ण कर विश्वविद्यालय में उपलब्ध कराये गए प्लेसमेंट्स की मदद से देश के महत्वपूर्ण संस्थानों



का हिस्सा बन रहे हैं। व्यावसायिक अध्ययन और कौशल विकास विभाग के समन्वयक डॉ. पवन कुमार मौर्या ने बताया कि विश्वविद्यालय के बी. वॉक.-रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट के

अजय, अजीत, अक्षय, हिमांशु, लोकेश, मंदीप, मनीष, नीरज, रविकान्त, संदीप व संजय को डिग्री पूरी करते ही लॉजिस्टिक्स टेक्नोलॉजी, रिवर्स लॉजिस्टिक्स,

डिस्ट्रीब्यूशन, कार्गो और सप्लाय चैन सेवाओं व अभिनव विचारों के लिए विश्व प्रसिद्ध ओम लॉजिस्टिक्स लिमिटेड में प्लेसमेंट मिला। उन्होंने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि यह प्लेसमेंट

शिक्षकों के सही मार्गदर्शन का ही परिणाम है। उन्होंने पाठ्यक्रम के सैद्धांतिक व प्रयोगात्मक पहलुओं की सराहना करते हुए कहा कि औद्योगिक प्रशिक्षण से विद्यार्थियों को अपने हुनर को निखारने का मौका मिला है। रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट के सहायक आचार्य डॉ. सुयश मिश्रा ने बताया कि छात्रों को तीन साल के दौरान रोजगारपरक पाठ्यक्रम पढ़ाया गया तथा व्यावहारिक प्रशिक्षण के दौरान उनका तजुर्बा देश के प्रमुख संस्थानों में रहा है, जिसकी वजह से विद्यार्थियों को प्रबन्धकीय जॉब ऑफर हो रही है। उन्होंने बताया कि विभाग में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु पाठ्यक्रम के साथ समय-समय पर औद्योगिक भ्रमण एवं प्रशिक्षण, विशेषज्ञ व्याख्यानों का आयोजन भी करवाया जाता है।



महेन्द्रगढ़।
चयनित
विद्यार्थियों
के साथ
वीसी।
फोटो:
हरिभूमि

हरियाणा केंद्रीय विवि के 11 विद्यार्थियों को मिला प्लेसमेंट

हरिभूमि न्यूज ► महेन्द्रगढ़

■ कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने प्लेसमेंट में चयनित विद्यार्थियों व शिक्षकों को शुभकामनाएं दी

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के बीवॉक रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट के 11 विद्यार्थियों को लॉजिस्टिक्स क्षेत्र की प्रतिष्ठित कंपनी ओम लॉजिस्टिक्स लिमिटेड में प्लेसमेंट मिला है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने प्लेसमेंट में चयनित विद्यार्थियों व शिक्षकों को शुभकामनाएं देते हुए विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कुलपति ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के सिद्धांतों पर आधारित बीवॉक रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट का पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को रचनात्मक, समस्या समाधान, उद्यमिता, कौशल विकास आदि महत्वपूर्ण आयामों के संदर्भों में विशेष योग्यता प्रदान करता है। जिसकी वजह से विद्यार्थी अपनी पढ़ाई पूर्ण कर विश्वविद्यालय में

उपलब्ध कराये गए प्लेसमेंट्स की मदद से देश के महत्वपूर्ण संस्थानों का हिस्सा बन रहे हैं। व्यावसायिक अध्ययन और कौशल विकास विभाग के समन्वयक डॉ. पवन कुमार मौर्या ने बताया कि विश्वविद्यालय के बीवॉकरिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट के अजय, अजीत, अक्षय, हिमांशु, लोकेश, मंदीप, मनीष, नीरज, रविकांत, संदीप व संजय को डिग्री पूरी करते ही लॉजिस्टिक्स टेक्नोलॉजी, रिवर्स लॉजिस्टिक्स, डिस्ट्रीब्यूशन, कार्गो और सप्लाय चैन सेवाओं व अभिनव विचारों के लिए विश्व प्रसिद्ध ओम लॉजिस्टिक्स लिमिटेड में प्लेसमेंट मिला। उन्होंने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि यह प्लेसमेंट शिक्षकों के सही मार्गदर्शन का ही परिणाम है।

हकेंवि के 11 विद्यार्थियों को कंपनी में मिली नौकरी

माई सिटी रिपोर्टर

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) के बीवाँक रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट के 11 विद्यार्थियों को लॉजिस्टिक्स क्षेत्र की एक कंपनी में प्लेसमेंट मिला है। कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने प्लेसमेंट में चयनित विद्यार्थियों व शिक्षकों को शुभकामनाएं दी।

कुलपति ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के सिद्धांतों पर आधारित बीवाँक रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट का पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को रचनात्मक, समस्या समाधान, उद्यमिता, कौशल विकास आदि महत्वपूर्ण आयामों के संदर्भों में विशेष योग्यता प्रदान करता है। जिसकी वजह से विद्यार्थी अपनी पढ़ाई पूर्ण कर विश्वविद्यालय में उपलब्ध कराए गए प्लेसमेंट्स की मदद से देश के महत्वपूर्ण संस्थानों का हिस्सा बन रहे हैं। व्यावसायिक अध्ययन और कौशल



हकेंवि में प्लेसमेंट पाने वाले विद्यार्थी कुलपति और शिक्षकों के साथ । संवाद

विकास विभाग के समन्वयक डॉ. पवन कुमार मौर्या ने बताया कि विश्वविद्यालय के बीवाँक रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट के अजय, अजीत, अक्षय, हिमांशु, लोकेश, मंदीप, मनीष, नीरज, रविकांत, संदीप व संजय को डिग्री पूरी करते ही लॉजिस्टिक्स टेक्नोलॉजी, रिवर्स लॉजिस्टिक्स, डिस्ट्रीब्यूशन, कार्गो और सप्लाय चेन सेवाओं व अभिनव विचारों

के लिए विश्व प्रसिद्ध एक कंपनी में प्लेसमेंट मिला। विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि यह प्लेसमेंट शिक्षकों के सही मार्गदर्शन का परिणाम है।

उन्होंने पाठ्यक्रम के सैद्धांतिक व प्रयोगात्मक पहलुओं की सराहना करते हुए कहा कि औद्योगिक प्रशिक्षण से विद्यार्थियों को अपने हुनर को निखारने का मौका मिला है। कंपनी मैनेजमेंट के

सहायक आचार्य डॉ. सुयश मिश्रा ने बताया कि छात्रों को तीन साल के दौरान रोजगारपरक पाठ्यक्रम पढ़ाया गया।

व्यावहारिक प्रशिक्षण के दौरान उनका तजुर्बा देश के प्रमुख संस्थानों में रहा है, जिसकी वजह से विद्यार्थियों को प्रबंधकीय जॉब ऑफर हो रही हैं। उन्होंने बताया कि विभाग में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु पाठ्यक्रम के साथ समय-समय पर औद्योगिक भ्रमण एवं प्रशिक्षण, विशेषज्ञ व्याख्यानों का आयोजन भी करवाया जाता है।

उन्होंने यह भी बताया कि इससे पहले भी बीवाँक रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट के विद्यार्थियों का चयन रिलायंस रिटेल, फ्यूचर रिटेल, अक्सप्रेस लॉजिस्टिक्स, ओजी इंडिया पैकेजिंग जैसी देश के प्रतिष्ठित संस्थानों में हुआ है। इस अवसर पर विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. ऋषि कांत और अन्य शिक्षकों ने विद्यार्थियों के चयन पर हर्ष ज़ाहिर किया।